'धियो यो नः प्रचोदयात्'

तारिणी राजकीय स्नातकोत्तर संस्कृत महाविद्यालय सोलन



राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा मूल्यांकित

नियमावली

तारिणी राजकीय स्नातकोत्तर संस्कृत महाविद्यालय
सोलन



NAAC द्वारा मान्यता प्राप्त

नियमावली

सत्रम्

20 .20

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा मूल्यांकित

राजकीय स्नातकोत्तर संस्कृत महाविद्यालयः सोलनम् (हि.प्र.)

PROSPECTUS

Govt. Post Graduate Sanskrit College, Solan (H.P.)-173212
Phone: 01792-223550
E-mail: gscsolanhp@gmail.com
Website: www.gscsolanhp.com

आचार्य – संकाय

1.	डॉ० रमेश शर्मा	प्राचार्य: (कार्यवाहक)	ज्योतिषाचार्य एम. ए. संस्कृत (लब्ध स्वर्ण पदक) पी.एच.डी. (**NET**)
2.	डॉ० दिनेश शर्मा	दर्शनाचार्य	दर्शनाचार्य, एम.ए. संस्कृत, पीएच.डी. (**NET**)
3.	डॉ० विनय शर्मा	वेदाचार्य	वेदाचार्य, पी.एच.डी.
4.	डॉ० भानु शर्मा	व्याकरणाचार्य	व्याकरणाचार्य, बी.एड, पीएच.डी.
5.	आचार्य सुरेश शर्मा	साहित्याचार्य	साहित्याचार्य, दर्शनाचार्य, ज्योतिषाचार्य (3 स्वर्ण पदक प्राप्त) एम. ए. संस्कृत NET SET
6.	डॉ० पवन कुमार	साहित्याचार्य	साहित्याचार्य एम.ए. संस्कृत, पीएच.डी.
7.	डॉ० आशा शर्मा	सहायक – आचार्य हिन्दी	एम. ए. एम. फिल. पी.एच.डी.
9.	डॉ० देव कुमार नेगी	प्रवक्ता – राजनीति शास्त्र	एम.ए. एम. फिल. पी.एच.डी., NET, SET एम. ए. समाज शास्त्र

कार्यालयीय – कर्मचारीगण

1.	श्री पंकज सूद	अधीक्षक श्रेणी – 2	M.Com
2.	श्रीमती विपना ठाकुर	लिपिका	M.A
3.	श्री राजेश कुमार	चौकीदार	Middle
4.	श्रीमती विमला देवी	सेवादार	–
5.	श्री इन्द्र सिंह	सेवादार	–
6.	श्रीमती सीता देवी	सेवादार	–
7.	श्रीमती आशा	(अशंकालीन) सफाई कर्मचारी	Middle

''नत्वा सरस्वती देवीं ज्ञानरूपां सरस्वतीम् ।
सादरमभिवन्द्येऽहं गरून् तत्वगुणान्वितान् ।।''

महाविद्यालय का संक्षिप्त इतिहास

'संस्कृतिः संस्कृताश्रिता' के शाश्वत् सिद्धान्त को समर्पित माँ भगवती शूलिनी के दिव्यधाम सोलन में अवस्थित संस्कृति तथा संस्कारयुक्त शिक्षा पद्धति को समर्पित तारिणी"राजकीय स्नातकोत्तर संस्कृत महाविद्यालय-सोलन" का यह संस्थान हिमाचल प्रदेश ही नहीं अपितु भारतवर्ष के अग्रणी संस्कृत संस्थानों में अद्वितीय स्थान रखने वाला है। यह महाविद्यालय तत्कालीन बघाट-रियासत (सोलन) के धर्मपरायण राजा दुर्गा सिंह जी ने भारतीय संस्कृति के संरक्षण के भाव से 13 अप्रैल, 1929 ई० को माँ भगवती शूलिनी के पार्श्व में भगवान नृसिंह मन्दिर के परिसर में एक 'लघु संस्कृत पाठशाला' के नाम से स्थापित किया। 1947 ई० से पूर्व यह संस्थान 'पंजाब विश्वविद्यालय लाहौर" के साथ सम्बद्ध रहा तथा 1947 से 1971 ई० तक 'पञ्जाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़" से सम्बद्ध होकर यहां प्राज्ञ, विशारद, शास्त्री तथा आचार्य की कक्षाएं संचालित होती रहीं। 1971 ई० में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय-शिमला की स्थापना के पश्चात् इससे सम्बद्ध (**Affiliated**) होकर इसकी परीक्षाओं का संचालन हो रहा है।

यह महाविद्यालय देश की उन विशिष्ट संस्थाओं में प्रमुख स्थान रखता है जहाँ प्राच्य-परम्परा से संस्कृत के वैदिक/अवैदिक-साहित्य, व्याकरण, दर्शन, ज्योतिष तथा वेद आदि विषयों का अध्ययन करके छात्र दुर्लभ भारतीय वेद-ज्ञान को सुरक्षित रखने तथा भारतीय संस्कृति के संरक्षण का अति कठिन कार्य विषम परिस्थितियों में कर रहे हैं। वर्तमान में प्राचीन विषयों के साथ-साथ समयानुकूल अंग्रेजी/हिन्दी जैसी अन्य भाषाओं तथा राजनीति शास्त्र, इतिहास, कम्प्यूटर शिक्षा आदि का सायुज्य करके विश्वविद्यालय द्वारा पाठ्यक्रम को अधिक उपयोगी, व्यवहारिक तथा समय सापेक्ष बनाया गया है ताकि हमारे छात्र समय के साथ कदम मिलाकर आगे बढ़ सकें।

विशेषताएँ

1. राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा मूल्याँकित महाविद्यालय ।
2. हिमाचल प्रदेश सरकार तथा शिक्षा विभाग के सौजन्य से निर्मित महाविद्यालय का पञ्चतलीय नवीन भवन इसकी प्रमुख विशेषता है। जिसका शिलान्यास तत्कालीन मुख्यमन्त्री राजा वीरभद्र सिंह जी ने 6 अप्रैल 2006 को सोलन के ऐतिहासिक ठोडो ग्राऊंड के पार्श्व में 'पुञ्जविला' नामक स्थान पर किया तथा 3 अक्तूबर 2011 को तत्कालीन मुख्यमन्त्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने इसका शुभारम्भ किया।
3. मुख्य राजमार्ग (माल रोड) पर स्थित पुरातन भवन (कन्या छात्रावास) के रूप में व्यवस्थापित कर दिया गया है तथा वहाँ विधिवत् कन्या छात्रावास का निर्माण निकट भविष्य में प्रस्तावित है। अनेक वर्षों से किराये के भवन में चल रहा छात्र-छात्रावास भी मुरम्मत करवाकर सुखद वातावरण में छात्रों के रहने योग्य बना दिया

गया है।

4. महाविद्यालय का अपना दुर्लभ/सन्दर्भ ग्रन्थों से सुसज्जित लगभग-13,000 से अधिक पुस्तकों वाला विशाल पुस्तकालय प्राच्य विद्याओं के अध्येताओं तथा शोधकर्ताओं के लिए तीर्थ स्थल है।

5. वर्तमान में उच्चतम शिक्षा प्राप्त, योग्य, अनुभवी तथा संस्कृत-संस्कृति को समर्पित आचार्यवृन्द इस संस्थान की प्रमुख विशेषता है। गुरुजनों के गौरव को द्योतित करते अनुशासनबद्ध, विनम्र, मेधावी/परिश्रमी छात्र-छात्राएँ इस महाविद्यालय की अमूल्य निधि हैं। अत: इस महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाले प्रत्येक छात्र से इसकी गौरवमयी परम्परा को बनाये रखने की अपेक्षा की जाती है।

'महाविद्यालयीय कक्षाएँ'

(क) प्राक् शास्त्री-प्रथम वर्ष, प्राक् शास्त्री-द्वितीय वर्ष } मैट्रिकोत्तर 10+2 कक्षाओं के समकक्ष (Annual system) (पुरानी प्रक्रिया वाला कोर्स)

(ख) शास्त्री-प्रथम वर्ष, शास्त्री-द्वितीय वर्ष, शास्त्री-अन्तिम वर्ष/तृतीय वर्ष } NEP 2020 के तहत नवीन पाठ्यक्रम (सैमेस्टर) प्रणाली (Annual system) (वार्षिक प्रणाली)

(ग) साहित्याचार्या-प्रथम वर्ष, साहित्याचार्या-द्वितीय वर्ष } (Annual system) (वार्षिक प्रणाली)

प्रवेशार्थ आवश्यक योग्यता

(क) प्राक् शास्त्री-प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु योग्यता :

1. हि.प्र. स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला अथवा मान्यता प्राप्त बोर्ड या संस्थान से मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण।
2. ऐसी परीक्षा उत्तीर्ण जिसे हि.प्र. विश्वविद्यालय ने मैट्रिक के समकक्ष माना हो ।

(ख) शास्त्री प्रथम वर्ष में प्रवेशार्थ योग्यता :-

1. हि.प्र. विश्वविद्यालय में प्राक् शास्त्री-II परीक्षा उत्तीर्ण
2. हि.प्र. स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला से 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।
3. किसी भी संस्थान/विश्वविद्यालय से वह परीक्षा उत्तीर्ण जिसको हि.प्र. विश्वविद्यालय ने प्राक् शास्त्री-II के समकक्ष माना हो।

प्रवेशार्थ अपेक्षित प्रमाण पत्र

1. प्राक् शास्त्री. 1 वर्ष में प्रवेशार्थी छात्रों को –
   दसवीं के प्रमाण पत्र की सत्यापित 2 प्रतियाँ।
2. शास्त्री.1 सत्र में प्रवेशार्थ दसवीं तथा बाहरवीं (10 + 2)बोर्ड प्रमाण पत्रों की सत्यापित 2 – 2 प्रतियाँ।
3. शेष कक्षाओं में प्रवेशार्थ पूर्व परीक्षा उत्तीर्ण की सत्यापित 2 प्रतियाँ।
4. चरित्र प्रमाण पत्र (मूल रूप में)।
5. विद्यालय/महाविद्यालय त्याग का प्रमाण पत्र (मूल रूप में)।
6. अनुसूचित जाति, जनजाति, ओ.बी.सी., आई.आर.डी.पी. आदि के छात्रों से सम्बन्धित प्रमाण पत्र की सत्यापित 2 प्रतियाँ।
7. नवीनतम फोटो (पासपोर्ट साईज तथा स्टैम्प साईज की दो – दो प्रतियाँ)।
8. आधार कार्ड की एक छायाप्रति ।

प्रवेश विषयक आवश्यक निर्देश

1. हि.प्र. स्कूल शिक्षा बोर्ड से संस्कृत विषय सहित 10 + 2 परीक्षा उत्तीर्ण छात्र को हि.प्र. विश्वविद्यालय की नवीन प्रक्रिया रूसा (Rusa) के अधीन शास्त्री (प्रथम वर्ष) में सीधा प्रवेश मिलेगा।
2. विश्वविद्यालयीय Rusa परीक्षा में कम्पार्टमैंट/री अपीयर छात्रों को भी उत्तीर्ण छात्रों की तरह ही Roll On आधार पर अस्थायी (Provisional) प्रवेश मिलेगा। अनुपूरक परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर ही उनका प्रवेश स्थायी होगा तथा उनका परीक्षा फार्म विश्वविद्यालय को भेजा जा सकेगा।
3. विश्वविद्यालय में नए नियमों के अनुसार प्राक् शास्त्री – I तथा प्राक् शास्त्री – II में कम्पार्टमैंट छात्र अगली कक्षा की परीक्षा नियमित छात्र के रूप में देने के अधिकारी नहीं होंगे।
4. किसी भी कक्षा में छात्र लगातार दो बार अनुत्तीर्ण होता है तो उसे उसी कक्षा में तीसरी बार प्रवेश नहीं मिलेगा।
5. विश्वविद्यालयीय नियमों के अनुसार शास्त्री – प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष तथा तृतीय वर्ष का पाठ्यक्रम छात्र को 3 वर्षों में पूरा करना होगा।

प्रवेश के समय देय शुल्क

(क)	प्रवेश शुल्क	25 रु. वार्षिक
1.	पुनः प्रवेश शुल्क (प्रथम बार)	100 रु. (नाम कटने पर)
	पुनः प्रवेश शुल्क (द्वितीय बार)	200 रु. (नाम कटने पर)
2.	प्रवेश विलम्ब शुल्क सहित	10/- प्रति दिन (10 दिन तक) (निश्चित तिथि के बाद)
3.	मासिक शिक्षा शुल्क (Tution Fee)	(संस्कृत छात्रों के लिए छूट)
(ख)	महाविद्यालयीय वार्षिक निधि (FUNDs)	
1.	पुस्तकालय रक्षाधन (प्रत्यावर्तनीय)	100 रु.
2.	गृह परीक्षा शुल्क	40 रु.
3.	चिकित्सा शुल्क	06 रु.
4.	परिसर विकास एवं सौन्दर्यीकरण निधि	10 रु.
5.	पुस्तक बदलाव शुल्क	25 रु.
6.	फर्नीचर मुरम्मत शुल्क	10 रु.
7.	परिचय पत्र शुल्क	20 रु.
8.	वार्षिक पत्रिका शुल्क	50 रु.
9.	उत्सव निधि	20 रु.
10.	छात्र सहायता शुल्क	02 रु.
11.	सांस्कृतिक गतिविधियां शुल्क	20 रु.
12.	कम्प्यूटर तथा इन्टरनैट सुविधा शुल्क	20 रु.
(ग)	महाविद्यालयीय मासिक निधि (FundS)	
1.	मिश्रित निधि (Amalgameted Fund)	25X12=300/- वार्षिक
2.	क्रीड़ा शुल्क	20X12=240/- वार्षिक
3.	भवन निधि	10X12=120/- वार्षिक
4.	रोबर एण्ड रेंजर शुल्क	5X12=60/- वार्षिक
5.	छात्र कल्याण निधि	10/वार्षिक
6.	प्राध्यापक - अभिभावक संघ (PTA) निधि PS-I-II, S-I से S-VI तक	1000/- वार्षिक
7.	प्राध्यापक - अभिभावक संघ (PTA) निधि आचार्य I-II	1000/- वार्षिक
8.	अनुपस्थिति दण्ड	1 रु. प्रति कालांश
910.	गृह परीक्षा/मासिक टेस्ट अनुपस्थिति दण्ड	50/- प्रति पत्र

11.	विशेष दण्डनीय कार्य हेतु	प्राचार्य द्वारा घोषित/सलाहकार समिति
(घ)	विश्वविद्यालयीय शुल्क	
1.	विश्वविद्यालय पञ्जीकरण शुल्क (Registration Fee) (केवल नए छात्रों से)	200 रु.
2.	विश्वविद्यालय निरन्तरीकरण शुल्क (Continuation Fee) (केवल पुराने छात्रों से)	10 रु.
3.	विश्वविद्यालयीय क्रीड़ा, युवा कल्याण, अवकाश गृह शुल्क	200 रु.
	प्राक् शास्त्री – I, प्राक् शास्त्री – II के छात्रों से	1505 रु.
	Rusa-शास्त्री – I समै. से शास्त्री – VI समै. के छात्रों को (परीक्षा फार्म भरने के समय स्वयं चालान द्वारा बैक में जमा करने होंगे।)	500 रु.
	विश्वविद्यालय विकास निधि IRDP	250 रू.
4.	विश्वविद्यालय युवा कल्याण शुल्क	100 रू.
(ङ)	छात्र द्वारा प्रवेश के समय कुल देय राशि	
1.	प्राक् शास्त्री – I	2590 रु.
2.	प्राक् शास्त्री – II	2315 रु.

छात्रावासीय शुल्क विवरण

1.	कक्ष शुल्क 30/- मासिक 30 X 12	360 रु. वार्षिक
1.	छात्रावास प्रवेश शुल्क	10 रु. वार्षिक
2.	छात्रावास रक्षाधन (प्रत्यावर्तनीय)	500 रु. वार्षिक
3.	फर्नीचर रक्षाधन	100 रु. वार्षिक
4.	अटैण्डेण्ट/कर्मचारी शुल्क (25 रु. मासिक)	300 रु. वार्षिक
5.	कॉमन रूम शुल्क (10 रु. मासिक)	120 रु. वार्षिक
6.	पानी व्यवस्था शुल्क (25 – 30 रु. मासिक)	360 रु. वार्षिक
7.	विद्युत व्यय शुल्क (30 रु. मासिक)	360 रु. वार्षिक
8.	सफाई कर्मचारी व्यय (15 रु. मासिक)	180 रु. वार्षिक
9.	छात्रावास भवन रख रखाव व्यय (30 रु. मासिक)	360 रु. वार्षिक
10.	छात्रावासीय परिचय पत्र	20 रु. वार्षिक
11.	लिपिकीय सहायता शुल्क (5 रु. मासिक)	60 रु. वार्षिक
11.	बर्तन निधि	30 रु. वार्षिक
12.	विविध निधि	1800 रु. वार्षिक

योग (नए छात्रों से) = 4190 रु. वार्षिक (पुराने छात्रों से) =3690 रु. वार्षिक

किसी भी व्यवस्थागत नियम के उल्लंघन पर छात्रावासाध्यक्ष की अनुशंसा से किसी भी प्रकार के आर्थिक दण्ड निलम्बन अथवा निष्कासन का विशेषाधिकार प्राचार्य महोदय को होगा।

पाठ्यक्रम तथा विषय चयन

शास्त्री परीक्षा उत्तीर्ण स्नातकों को आधुनिक विषयों के ज्ञान के साथ-साथ प्रशासनीक सेवा (HAS/UPSC) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में योग्य बनाने, संस्कृत अध्यापक/प्राध्यापकों के अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों में सेवा तथा रोजगार का पात्र बनाने के उद्देश्य से पूर्व प्रचलित शास्त्री/विशिष्ट शास्त्री के अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा 'नवीन अध्ययन प्रक्रिया' रूसा (राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान) के अन्तर्गत शास्त्री अन्तिम वर्ष तक सिस्टम एक बहुआयामी नवीन पाठ्यक्रम लागू किया गया है, जो आधुनिक परिप्रेक्ष्य में छात्रों के उज्जवल भविष्य का आधार बनेगा।

(1) प्राक् शास्त्री भाग-I तथा प्राक् शास्त्री-II (पुरातन प्रक्रिया के अनुसार) की कक्षाओं में निम्न विषय निर्धारित हैं-

(क) एक से चार पत्र - संस्कृत के विभिन्न विषय (अनिवार्य)

(ख) पञ्चम पत्र - अंग्रेजी (ऐच्छिक)

(ग) षष्ठ पत्र - हिन्दी/राजनीति शास्त्र/इतिहास (अतिरिक्त ऐच्छिक)

(2) प्राक् शास्त्री भाग-I तथा प्राक् शास्त्री-II कक्षाओं में 20 अंक आन्तरिक मूल्यांकन तथा 80 अंक वार्षिक परीक्षा के होंगे। इन कक्षाओं के संस्कृतेतर विषयों का पाठ्यक्रम हि.प्र. स्कूल शिक्षा बोर्ड की 10+1, 10+2 के समान होगा। इनमें प्रविष्ट छात्र को सामान्यत: उत्तीर्ण होना आवश्यक है, लेकिन छात्रों का उत्तीर्ण-अनुत्तीर्ण तथा कम्पार्टमैन्ट परिणाम केवल संस्कृत विषयों के आधार पर ही होगा। अग्रिम कक्षा के परिणाम से पूर्व छात्र को पिछली कक्षा के संस्कृतेतर विषयों में उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा।

(3) रूसा प्रक्रियानुसार शास्त्री प्रथम वर्ष से शास्त्री तृतीय वार्षिक सत्र का पाठ्यक्रम चयन मेजर -व्याकरण और साहित्य जिनके दो-दो पेपर तथा दर्शन वेद तथा ज्योतिष तीन विषयों में से दो विषयों का चयन अभिरूचि के अनुसार विद्यार्थी को करना है। इन दो विषयों के भी दो-दो पेपर होगें।

(क) अंग्रेजी विषय का पाठ्यक्रम B.A. के समान है इस विषय का एक पेपर होगा।

(ख) हिन्दी अथवा राजनीति शास्त्र में से एक विषय चयन करना है इसका पाठ्यक्रम भी B.A. के समान है। इन विषयों का भी एक-एक पेपर होगा।

(4) प्राक् शास्त्री-I/प्राक् शास्त्री-II में परीक्षा का माध्यम हिन्दी भी हो सकता है लेकिन शास्त्री प्रथम वर्ष से तृतीय वर्ष तक तथा आचार्य कक्षाओं में परीक्षा/प्रश्न पत्रों का माध्यम संस्कृत ही होगा।

पाठ्यक्रम

शास्त्री तक की कक्षाओं में संस्कृत के अनिवार्य पत्रों में निम्न विषय पढ़ाये जाते हैं–

प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष

प्रथम पत्र : 1. लघु सिद्धान्त कौमुदी (वरदराजकृत) पूर्वार्द्ध

द्वितीय पत्र :
1. रघुवंश (1, 2 सर्ग) कालिदासकृत – महाकाव्य
2. स्वप्नवासवदत्तम् (भासकृत) – नाटक
3. वृत्तरत्नाकर

तृतीय पत्र :
1. हितोपदेश (मित्रलाभ)
2. अनुवाद चन्द्रिका
3. अमरकोष (द्वितीय काण्ड)

चतुर्थ पत्र :
1. तर्क संग्रह
2. ईशावास्योपनिषद्
3. गीता (1 – 2 अध्याय)

संस्कृतेतर विषयों अंग्रेजी, हिन्दी, राजनीति शास्त्र तथा इतिहास का पाठ्यक्रम हि.प्र. स्कूल शिक्षा बोर्ड की 10 + 1 की कक्षा की तरह होगा।

प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष

प्रथम पत्र :
1. लघु सिद्धान्त कौमुदी (वरदराजकृत) उत्तरार्द्ध

द्वितीय पत्र :
1. कुमार सम्भव (प्रथम – द्वितीय सर्ग) कालिदास कृत – महाकाव्य
2. भारत विजय नाटकम् (महामहोपाध्याय मथुरा प्रसाद दीक्षितकृत)
3. काव्यदीपिका

तृतीय पत्र :
1. अनुवादचन्द्रिका 2. संस्कृत गद्य मन्दाकिनी

चतुर्थ पत्र :
1. गीता (3, 11, 12, 14 अध्याय)
2. कठोपनिषद् 3. संस्कृत साहित्य परिचय

संस्कृतेतर विषयों का पाठ्यक्रम हि.प्र. स्कूल शिक्षा बोर्ड की 10 + 2 कक्षा की तरह होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अन्तर्गत शास्त्री SHASTRI (B.A) 1 Year 2025-26 के लिए प्रस्तावित पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अन्तर्गत शास्त्री SHASTRI (B.A) 1 Year 2025-26 के लिए प्रस्तावित पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता – किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड अथवा विश्वविद्यालय से 10+2 उत्तीर्ण अथवा 10+2 के समकक्ष प्राक – शास्त्री उत्तर मध्यम आदि उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी शास्त्री (बी.ए.) पाठयक्रम में प्रवेश लेने के लिए पात्र होंगे। **स्नातक पाठयक्रम फ्रेमवर्क 2022 (UGCF)** का उद्देश्य विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा प्रणाली में व्यवस्थागत परिवर्तन लाना और इसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 के अनुरूप बनाना है।

1. **शैक्षिक क्रेडिट (Academic Credit)** – शैक्षिक क्रेडिट एक इकाई है जिससे पाठयक्रम कार्य को मापा जाता है। यह प्रति सप्ताह शिक्षण के लिए समय को निर्धारित करता है, जैसे यदि 4 क्रेडिट का पाठयक्रम है तो सप्ताह में चार घंटे का अध्यापन अनिवार्य होगा। एक क्रेडिट शिक्षण अवधि के एक घण्टे के बराबर होगा। अथवा प्रायोगिक कार्य के दो घण्टे का एक क्रेडिट होगा।

2. **अध्ययन का पाठयक्रम** यह किसी विशिष्ट विषय में अध्ययन का संकेत करता है। प्रत्येक विषय तीन श्रेणियों में विभाजित होगा, अर्थात् विषय – विशिष्ट कोर (DSC), विषय – विशिष्ट इलेक्टिव (DSE) और माइनर कोर्स (MC)

A- विषय – विशिष्ट कोर – Discipline Specific Core (DSC) 4 Credits – विषय – विशिष्ट कोर छात्र द्वारा अनिवार्य विषय के रूप में पढा जाएगा, संस्कृत महाविद्यालय में विषयविशिष्ट कोर DSC 1 A के रूप में शास्त्रीय (परम्परागत) विषय व्याकरण, साहित्य, दर्शन, वेद, ज्योतिष पढाए जाएंगे और DSC 1 B में आधुनिक विषय हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान और इतिहास पढाए जाएंगे। माइनर कोर्स – Minor Course (MC) 4 Credits – शास्त्री पाठयक्रम में माइनर कोर्स के अन्तर्गत शास्त्रीय विषय व्याकरण, साहित्य, दर्शन, वेद, ज्योतिष पढाए जाएँगे। प्रत्येक सत्रादर्ध में छात्रों द्वारा Minor Course का एक विषय पढा जाएगा। जो विषय DSC में पढ़ा जाएगा MC में उससे भिन्न विषय होगा। नोट – यदि छात्र MC को DSC के रूप में पढना चाहता है तो तृतीय सत्र के आरम्भ में वह बदल सकता है, अर्थात् MC DSC के रूप में व DSC MC के रूप में बदला जा सकेगा, और यह परिवर्तन केवल शास्त्रीय विषयों में ही होगा।

B- बहुविषयक पाठयक्रम – Multidisciplinary Courses (MDC) 3 Credits – इसके अन्तर्गत विषय – विशिष्ट कोर (DSC) व माइनर कोर्स (MC) के अतिरिक्त भिन्न विषय रहेंगे। छात्र MDC पाठयक्रम I, II, III सत्रादर्ध में पढ़ेंगे। छात्र को MDC में शास्त्रीय व आधुनिक दोनो प्रकार के विषय में से किसी एक विषय का चयन करना होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत अथवा हिन्दी या अंग्रेजी भी हो सकता है। MDC पाठयक्रम का समूह पेज नम्बर 5 में दर्शाया गया है।

C- कौशल वृद्धि पाठयक्रम SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC) 3Credit यह पाठयक्रम सभी विषयों में कौशल – आधारित हैं और इसका उद्देश्य व्यावहारिक प्रशिक्षण व कौशल प्रदान करना है। यह SEC पाठयक्रम सभी शास्त्रीय विषयों का ही होगा। छात्र जिस शास्त्रीय विषय को DSC अथवा MC के रूप में पढेगा उसी विषय से सम्बन्धित कम से कम दो SEC पाठयक्रम पढने होंगे। तीसरा SEC पाठयक्रम छात्र अपनी रुचि के अनुसार पढ सकेगा, इनका अधययन छात्र I, II, III सत्रादर्ध में करेगा।

D- योग्यता वृद्धि पाठयक्रम ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC) 2 Credits – यह पाठयक्रम अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से ज्ञान की ओर ले जाने वाली सामग्री पर आधारित हैं। इसके अन्तर्गत छात्र को से III सत्रार्द्ध

तक अंग्रेजी व हिन्दी भाषा को पढना अनिवार्य होगा यदि छात्र प्रथम सत्र DSC I B में अंग्रेजी पढता है तो उसे AEC में हिन्दी पढनी पडेगी अन्यथा अंग्रेजी अनिवार्य रहेगी।

E- **Internship / Apprenticeship/Project/Community Outreach (I/A/P/C) 4Credit** इस पाठयक्रम में छात्रों को विशेष व्यवसायिक व कार्य अनुभव के लिए शिक्षा संस्थान के बाहर किसी शैक्षिक गतिविधि में भाग लेने की आवश्यकता होती है, सामान्य रूप से किसी बाहरी इकाई के विशेषज्ञ की देखरेख में कार्य करना पडता है। I/A/P/C का मुख्य उद्देश्य वास्तविक कार्य स्थितियों में उपस्थित होकर अनुभव प्राप्त करना है। I/A/P/C में स्थानीय उद्योग, सरकारी या निजी संगठनों, व्यवसायिक संगठनों, कलाकारों, शिल्पकारों और इसी तरह की विषय-सम्बन्धित संस्थाओं के साथ काम करना आवश्यक है ताकि छात्रों को मौके पर (On site) अनुभवात्मक सीखने का अवसर मिल सके। इसमें महाविद्यालय के Placement Cell का दायित्व होगा कि सेना के अधिकारियों, विभिन्न न्यासों के द्वारा संचालित मन्दिर आदि संस्थाओं के अधिकारियों, सरकार, विविध विश्वविद्यालयों और विभिन्न कार्यो को प्रदान करने वाली संस्थाओं के साथ सम्पर्क करके I/A/P/C का प्रबन्ध करे। यदि किन्हीं कारणों से महाविद्यालय उपर्युक्त बाहरी संस्थाओं में व्यवस्था न करवा सके तो महाविद्यालय स्वयं ही I/A/P/C का प्रबन्धन करे। यह पाठयक्रम II सत्रार्द्ध में अनिवार्य रूप में और IV सत्र में VAC 3 के विकल्प के रूप में पढाया जायगा।

F- मूल्य – आधारित पाठयक्रम (VALUE ADDITION COURSE)(2 Credits) यह पाठयक्रम विभिन्न विषयों के पाठयक्रमों का सामान्य समूह है और इसका उद्देश्य व्यक्तित्व निर्माण के लिए नैतिक, सांस्कृतिक और संवैधानिक मूल्यों को छात्रों में विकसित करना है और आलोचनात्मक सोच, भारतीय ज्ञान प्रणाली, वैज्ञानिक स्वभाव, संचार कौशल, रचनात्मक लेखन, प्रस्तुति कौशल, खेल और समूह कार्य (Team Work) को बढ़ावा देने के साथ साथ छात्रों का सर्वांगीण विकास करना है। इसके अन्तर्गत सभी छात्रें को II सत्रर्द्ध में Environmental Science पढ़ना होगा।
शास्त्री स्नातक स्तरीय अधिगम की उपलब्धियां UG SHASTRI (B-A-) Programme Outcome) छात्रगण भारतीय संस्कृत एवं सभ्यता की आधारभूत प्राच्यविद्या के अन्तर्गत वेद, व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य, दर्शन, धर्मशास्त्र आदि शास्त्रीय विषयों के अधययन से भारतीय ज्ञानपरम्परा को आत्मसात् कर संरक्षित एवं संवर्धित करेंगे।

❖ भारतीय ज्ञान परम्परा के प्राणभूत वेद, पुराण, न्यायशास्त्र, नाट्यशास्त्र, वास्तुशास्त्र, योग, आयुर्वेद, अलंकारशास्त्र, छन्दशास्त्र, खगोलशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र आदि विविध विद्याओं का अध्ययन कर वेदों तथा शास्त्रें में निरूपित ज्ञान और विज्ञान को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने में सक्षम होंगे।

❖ शास्त्रीय स्नातक स्तरीय निर्धारित कार्यक्रम की उपलब्धियां UG SHASTRI B-A- Programme Specific Outcome
वैदिक संस्कृत साहित्य एवं लौकिक संस्कृत साहित्य में निहित मानवीय मूल्य एवं शैक्षिक मूल्यों को आत्मसात् कर धर्म, दर्शन, आचार-व्यवहार, नीति साहित्य एवं ऋषि-मुनियों के मौलिक चिंतन को समझकर सभ्य, संस्कृत एवं चरित्रवान् नागरिक बन सकेंगे।

❖ व्याकरणशास्त्र का अध्ययन करने से शब्दव्युत्पत्ति एवं प्रवृत्तिविषयक ज्ञान से संस्कृत भाषा का विशुद्ध रूप से प्रयोग करने में समर्थ होंगे।

❖ साहित्यशास्त्र का अध्ययन करने से काव्य की विविध विधाओं से अवगत होंगे, फलस्वरूप नूतन साहित्य निर्माण, व्यावहारिक ज्ञान तथा भारतीय ज्ञान परम्परा के अवगमन में समर्थ होंगे, और अभिनयकौशल, श्लोकगायन, लोकगीत व स्तोत्र पाठ आदि के गायन में निपुण होंगे।

❖ ज्योतिषशास्त्र का अध्ययन करके खगोल विज्ञान, पंचांग निर्माण, फलादेश वर्ष पद्धति तथा मुहूर्त निर्धारण करने में सक्षम हो पाएंगे।

❖ योगशास्त्र के अध्ययन एवं अनुप्रयोग से शारीरिक एवं मानसिक विकास को प्राप्त कर सकेंगे।

❖ पारम्परिकशास्त्रों के अध्ययन से ज्योतिर्विद, पौरोहित्यविद्, वास्तुशास्त्री, योगप्रशिक्षक, कथावाचक, प्रेरक वद्वा, धर्मगुरू, शिक्षक, भाषाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, साहित्यकार, अनुवादक इत्यादि के माध्यम से जीविका उपार्जन के योग्य बन सकेंगे।

1. शैक्षिक क्रेडिट Academic Credit- शैक्षिक क्रेडिट एक इकाई है जिससे पाठयक्रम कार्य को मापा जाता है। यह प्रति सप्ताह शिक्षण के लिए समय को निर्धारित करता है, जैसे यदि 4 क्रेडिट का पाठङक्रम है तो सप्ताह में चार घंटे का अध्यापन अनिवार्य होगा। एक क्रेडिट शिक्षण अवधि के एक घण्टे के बराबर होगा। अथवा प्रायोगिक कार्य के दो घण्टे का एक क्रेडिट होगा।

2. अध्ययन का पाठयक्रम यह किसी विशिष्ट विषय में अध्ययन का संकेत करता है। प्रत्येक विषय तीन श्रेणियों में विभाजित होगा, अर्थात् विषय-विशिष्ट कोर द्धक्वैब्ब्ऋ, विषय-विशिष्ट इलेक्टिव DSE और माइनर कोर्स MC।

विषय-विशिष्ट कोर - **Discipline Specific Core Credits** -

विषय-विशिष्ट कोर छात्र द्वारा अनिवार्य विषय के रूप में पढा जाएगा, संस्कृत महाविद्यालय में विषयविशिष्ट कोर DSC 1 **A** के रूप में शास्त्रीय (परम्परागत) विषय व्याकरण, साहित्य, दर्शन, वेद, ज्योतिष पढाए जाएंगे और DSC 1 B में आधुनिक विषय हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान और इतिहास पढाए जाएंगे।

माइनर कोर्स - Minor Course MC 4 Credits &

A शास्त्री पाठयक्रम में माइनर कोर्स के अन्तर्गत शास्त्रीय विषय व्याकरण, साहित्य, दर्शन, वेद, ज्योतिष पढाए जाएँगे। प्रत्येक सत्रर्द्ध में छात्रों द्वारा Minor Course का एक विषय पढा जाएगा। जो विषय DSC में पढा जाएगा MC में उससे भिन्न विषय होगा।

नोट - यदि छात्र MC को DSC के रूप में पढना चाहता है तो तृतीय सत्र के आरम्भ में वह बदल सकता है, अर्थात् MC DSC के रूप में व DSC MC के रूप में बदला जा सकेगा, और यह परिवर्तन केवल शास्त्रीय विषयों में ही होगा।

B- बहुविषयक पाठयक्रम - Multidisciplinary Courses MDC 3 Credits -

इसके अन्तर्गत विषय-विशिष्ट कोर DSC व माइनर कोर्स MC के अतिरिद्र भिन्न विषय रहेंगे। छात्र MDC पाठयक्रम I, II, III सत्रों में पढ़ेंगे। छात्र को MDC में शास्त्रीय व आधुनिक दोनो प्रकार के विषय में से किसी एक विषय का चयन करना होगा। परीक्षा लिखने का माधयम संस्कृत अथवा हिन्दी या अंग्रेजी भी हो सकता है। MDC पाठयक्रम का समूह पेज नम्बर 5 में दर्शाया गया है।

C- कौशल वृद्धि पाठयक्रम Credits &SKILL ENHANCEMENT COURSE SEC 3

यह पाठयक्रम सभी विषयों में कौशल-आधारित हैं और इसका उद्देश्य व्यावहारिक प्रशिक्षण व कौशल प्रदान करना है। यह SEC पाठयक्रम सभी शास्त्रीय विषयों का ही होगा। छात्र जिस शास्त्रीय विषय को DSC अथवा MC के रूप में पढेगा उसी विषय से सम्बन्धित कम से कम दो SEC पाठयक्रम पढने होंगे। तीसरा SEC पाठयक्रम छात्र अपनी रुचि के अनुसार पढ सकेगा, इनका अध्ययन छात्र I, II, III सत्रों में करेगा।

D- योग्यता वृद्धि पाठयक्रम Credits & ABILITY ENHANCEMENT COURSE AEC 2

यह पाठयक्रम अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से ज्ञान की ओर ले जाने वाली सामग्री पर आधारित हैं। इसके अन्तर्गत छात्र को 1 से III सत्रर्द्धा तक अंग्रेजी व हिन्दी भाषा को पढना अनिवार्य होगा यदि छात्र प्रथम सत्र DSC 1 B में अंग्रेजी पढता है तो उसे AEC में हिन्दी पढनी पडेगी अन्यथा अंग्रेजी अनिवार्य रहेगी।

E- Internship / Apprenticeship / Project/Community Outreach I/A/P/C 4 Credits

इस पाठयक्रम में छात्रों को विशेष व्यवसायिक व कार्य अनुभव के लिए शिक्षा संस्थान के बाहर किसी शैक्षिक गतिविधि में भाग लेने की आवश्यकता होती है, सामान्य रूप से किसी बाहरी इकाई के विशेषज्ञ की देखरेख में कार्य करना पडता है। I/A/P/C का मुख्य उद्देश्य वास्तविक कार्य स्थितियों में उपस्थित होकर अनुभव प्राप्त करना है। I/A/P/C में स्थानीय उद्योग, सरकारी या निजी संगठनों, व्यवसायिक संगठनों, कलाकारों, शिल्पकारों और इसी तरह की विषय-सम्बन्धित संस्थाओं के साथ काम करना

आवश्यक है ताकि छात्रें को मौके पर On site अनुभवात्मक सीखने का अवसर मिल सके। इसमें महाविद्यालय के Placement Cell का दायित्व होगा कि सेना के अधिकारियों, विभिन्न न्यासों के द्वारा संचालित मन्दिर आदि संस्थाओं के अधिकारियों, सरकार, विविध विश्वविद्यालयों और विभिन्न कार्यों को प्रदान करने वाली संस्थाओं के साथ सम्पर्क करके I/A/P/C का प्रबन्ध करे। यदि किन्हीं कारणों से महाविद्यालय उपर्युद्र बाहरी संस्थाओं में व्यवस्था न करवा सके तो महाविद्यालय स्वयं ही I/A/P/C का प्रबन्धान करे। यह पाठयक्रम II सत्रदर्धा में अनिवार्य रूप में और IV सत्र में VAC 3 के विकल्प के रूप में पढाया जायगा।

F- मूल्य - आधारित पाठयक्रम VALUE ADDITION COURSE 2 Credits

यह पाठयक्रम विभिन्न विषयों के पाठयक्रमों का सामान्य समूह है और इसका उद्देश्य व्यद्रित्व निर्माण के लिए नैतिक, संस्कृत और संवैधानिक मूल्यों को छात्रों में विकसित करना है और आलोचनात्मक सोच, भारतीय ज्ञान प्रणाली, वैज्ञानिक स्वभाव, संचार कौशल, रचनात्मक लेखन, प्रस्तुति कौशल, खेल और समूह कार्य Team Work को बढ़ावा देने के साथ साथ छात्रों का सर्वांगीण विकास करना है। इसके अन्तर्गत सभी छात्रों को II सत्रदर्धा में Environmental Science पढ़ना होगा।

शास्त्री स्नातक स्तरीय अधिगम की उपलब्धियां UG SHASTRI B-A- Programme Outcome

❖ छात्रगण भारतीय संस्कृत एवं सभ्यता की आधारभूत प्राच्यविद्या के अन्तर्गत वेद, व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य, दर्शन, धर्मशास्त्र आदि शास्त्रीय विषयों के अध्ययन से भारतीय ज्ञानपरम्परा को आत्मसात् कर संरक्षित एवं संवर्धित करेंगे।

ञ भारतीय ज्ञान परम्परा के प्राणभूत वेद, पुराण, न्यायशास्त्र, नाटङशास्त्र, वास्तुशास्त्र, योग, आयुर्वेद, अलंकारशास्त्र, छन्दशास्त्र, खगोलशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र आदि विविध विद्याओं का अध्ययन कर वेदों तथा शास्त्रों में निरूपित ज्ञान और विज्ञान को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने में सक्षम होंगे।

शास्त्रीय स्नातक स्तरीय निर्धारित कार्यक्रम की उपलब्धियां UG SHASTRI B-A- Programme Specific Outcome

❖ वैदिक संस्कृत साहित्य एवं लौकिक संस्कृत साहित्य में निहित मानवीय मूल्य एवं शैक्षिक मूल्यों को आत्मसात् कर धर्म, दर्शन, आचार - व्यवहार, नीति साहित्य एवं ऋषि - मुनियों के मौलिक चिंतन को समझकर सभ्य, संस्कृत एवं चरित्रवान् नागरिक बन सकेंगे।

❖ व्याकरणशास्त्र का अध्ययन करने से शब्दव्युत्पत्ति एवं प्रवृत्तिविषयक ज्ञान से संस्कृत भाषा का विशुद्ध रूप से प्रयोग करने में समर्थ होंगे।

❖ साहित्यशास्त्र का अध्ययन करने से काव्य की विविध विधाओं से अवगत होंगे, फलस्वरूप नूतन साहित्य निर्माण, व्यावहारिक ज्ञान तथा भारतीय ज्ञान परम्परा के अवगमन में समर्थ होंगे, और अभिनयकौशल, श्लोकगायन, लोकगीत व स्तोत्र पाठ आदि के गायन में निपुण होंगे।

❖ ज्योतिषशास्त्र का अध्ययन करके खगोल विज्ञान, पंचांग निर्माण, फलादेश वर्ष पद्धति तथा मुहूर्त निर्धारण करने में सक्षम हो पाएंगे।

❖ योगशास्त्र के अध्ययन एवं अनुप्रयोग से शारीरिक एवं मानसिक विकास को प्राप्त कर सकेंगे।

❖ पारम्परिकशास्त्रों के अध्ययन से ज्योतिर्विद, पौरोहित्यविद्, वास्तुशास्त्री, योगप्रशिक्षक, कथावाचक, प्रेरक वद्रा, धर्मगुरू, शिक्षक, भाषाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, साहित्यकार, अनुवादक इत्यादि के माध्यम से जीविका उपार्जन के योग्य बन सकेंगे।

शास्त्री / SHASTRI (B.A.) 1 Years

पाठ्यक्रमरूपरेखा

1

व्याकरणशास्त्रम्

सत्रार्द्धम् (Semester) - I , II

Course & Academic Level	Sem-Ester	Discipline Specific Core (DSC) Credits - 4	Discipline Specific Elective (DSE) Credits – 4	Minor Course (MC) Credits - 4	Multidisciplinary Courses (MDC) Credits – 3	Skill Enhancement Courses (SEC) Credits – 3	Ability Enhancement Courses (AEC) Credits - 2	Internship / Apprenticeship / Project/ / Community Outreach Credits – 4	Value Addedition Courses (VAC) Credits – 2	Total Credits
100-199 Introduvtory / Foundational Level Courses	I	DSC 1 A - VYA व्याकरण-सोपानम्-I		MC 1 - VYA व्याकरण सोपानम्-I	MDC 1 - VYA लघुसिद्धान्त-कौमुदी-I	SEC 1 - VYA प्रयोगकौशलम् - 1 (वर्ण-सन्धीनाम्)	AEC 1 English (Functional)			20
	II	DSC 2 A - VYA व्याकरण-सोपानम्-II		MC 2 - VYA व्याकरण सोपानम्-II	MDC 2 - VYA लघुसिद्धान्त-कौमुदी-II	SEC 2 - VYA प्रयोगकौशलम् - 2 (सुबन्तानाम्)		I/A/P/C - 1 As per Guidline of HPU	VAC-ENV (To be proposed by the Deptt. of environment science)	24
Level 4.5	Exit I	**Student on exit will be awarded Undergraduate Certificate (in the Shastri Course) after securing 44 Credits in Semester - I & II.**								44

शास्त्री / SHASTRI (B.A.) 1 Years

पाठ्यक्रमरूपरेखा

2

साहित्यशास्त्रम्

सत्रार्द्धम् (Semester) - I , II

Course & Academic Level	Sem-Ester	Discipline Specific Core (DSC) Credits - 4	Discipline Specific Elective (DSE) Credits - 4	Minor Course (MC) Credits - 4	Multidisciplinary Courses (MDC) Credits - 3	Skill Enhancement Courses (SEC) Credits - 3	Ability Enhancement Courses (AEC) Credits - 2	Internship / Apprenticeship / Project/ / Community Outreach Credits - 4	Value Addedition Courses (VAC) Credits – 2	Total Credits
100-199 Introduvtory / Foundational Level Courses	I	DSC 1 - SAH छन्दःशास्त्रम् अलङ्कारश्च		MC 1- SAH छन्दःशास्त्रम् अलङ्कारश्च	MDC 1 - SAH संस्कृत-साहित्यशास्त्र-परिचयः-I	SEC 1 - SAH छन्दोगायन-कौशलम्	AEC 1 English (Functional)			20
	II	DSC 2 - SAH दृश्यकाव्यम्		MC 2 - SAH दृश्य-काव्यम्	MDC 2 - SAH संस्कृतसाहित्य शास्त्रपरिचयः - II	SEC 2 - SAH अलङ्कार-प्रयोगकौशलम्		I/A/P/C-1 As per Guidline of HPU	VAC-ENV (To be proposed by the Deptt. of environment science)	24
Level 4.5	Exit I	**Student on exit will be awarded Undergraduate Certificate (in the Shastri Course) after securing 44 Credits in Semester - I & II.**								44

शास्त्री / SHASTRI (B.A.) 1 Years

पाठ्यक्रमरूपरेखा

3

दर्शनशास्त्रम्

सत्रार्द्धम् (Semester) - I , II

Course & Academic Level	Sem-Ester	Discipline Specific Core (DSC) Credits - 4	Discipline Specific Elective (DSE) Credits – 4	Minor Course (MC) Credits - 4	Multidisciplinary Courses (MDC) Credits - 3	Skill Enhancement Courses (SEC) Credits – 3	Ability Enhancement Courses (AEC) Credits - 2	Internship / Apprenticeship / Project/ / Community Outreach Credits - 2	Value Addedition Courses (VAC) Credits – 2	Total Credits
100-199 Introduvtory / Foundational Level Courses	I	DSC 1 A - DAR दर्शनप्रवेशः-I		MC 1 - DAR दर्शन-प्रवेशः-I	MDC 1 - DAR न्यायवैशेषिक-परिचयः	SEC 1 - DAR प्रमाणविचारः	AEC 1 English (Functional)			20
	II	DSC 2 A - DAR दर्शनप्रवेशः-II		MC 2 - DAR दर्शन-प्रवेशः-II	MDC 2 - DAR सांख्ययोग-परिचयः	SEC 2 - DAR पदार्थप्रवेशः		I/A/P/C - 1 As per Guidline of HPU	VAC-ENV (To be proposed by the Deptt. of environment science)	24
Level 4.5	Exit I	**Student on exit will be awarded Undergraduate Certificate (in the Shastri Course) after securing 44 Credits in Semester - I & II.**								44

शास्त्री / SHASTRI (B.A.) 1 Years

पाठ्यक्रमरूपरेखा

4

वेदशास्त्रम्

सत्रार्द्धम् (Semester) - I , II

Course & Academic Level	Sem-Ester	Discipline Specific Core (DSC) Credits - 4	Discipline Specific Elective (DSE) Credits - 4	Minor Course (MC) Credits - 4	Multidisciplinary Courses (MDC) Credits – 3	Skill Enhancement Courses (SEC) Credits – 3	Ability Enhancement Courses (AEC) Credits - 2	Internship / Apprenticeship / Project/ / Community Outreach Credits - 2	Value Addedition Courses (VAC) Credits – 2	Total Credits
100-199 Introduvtory / Foundational Level Courses	I	DSC 1 A - VED ऋग्वेद-परिचयः		MC 1 - VED ऋग्वेद-परिचयः	MDC 1 - VED कर्मकाण्ड-प्रवेशः	SEC 1 - VED पारस्करगृह्य-सूत्रोक्तस्मार्तहोम-विधिः	AEC 1 English (Functional)			20
	II	DSC 2 A - VED निरुक्तम्		MC 2 - VED निरुक्तम्	MDC 2 - VED सामान्यपूजन-विधिः	SEC 2 - VED पारस्करगृह्य-सूत्रोक्त-विवाहसंस्कारः		I/A/P/C - 1 As per Guidline of HPU	VAC-ENV (To be proposed by the Deptt. of environment science)	24
Level 4.5	Exit I	**Student on exit will be awarded Undergraduate Certificate (in the Shastri Course) after securing 44 Credits in Semester - I & II.**								44

शास्त्री / SHASTRI (B.A.) 1 Years

पाठ्यक्रमरूपरेखा

5

ज्योतिषशास्त्रम्

सत्रार्द्धम् (Semester) - I , II

Course & Academic Level	Sem-Ester	Discipline Specific Core (DSC) Credits - 4	Discipline Specific Elective (DSE) Credits - 4	Minor Course (MC) Credits - 4	Multidisciplinary Courses (MDC) Credits - 3	Skill Enhancement Courses (SEC) Credits – 3	Ability Enhancement Courses (AEC) Credits – 2	Internship / Apprenticeship / Project/ / Community Outreach Credits - 2	Value Addedition Courses (VAC) Credits – 2	Total Credits
100-199 Introduvtory / Foundational Level Courses	I	DSC 1 A - JYO प्रारम्भिक-ज्योतिषम्		MC 1-JYO प्रारम्भिक - ज्योतिषम्	MDC-1-JOY ज्योतिषशास्त्र-परिचयः-I	SEC1- JYO कुण्डलीविज्ञान-कौशलम्-I	AEC 1 English (Functional)			20
	II	DSC 2 A-JYO होराशास्त्रम्		MC 2 - JYO होराशास्त्रम्	MDC-1-JOY ज्योतिषशास्त्र-परिचयः-II	SEC2- JYO कुण्डलीविज्ञान-कौशलम्-II		I/A/P/C-1 As per Guidline of HPU	VAC-ENV (To be proposed by the Deptt. of environment science)	24
Level 4.5	Exit I	**Student on exit will be awarded Undergraduate Certificate (in the Shastri Course) after securing 44 Credits in Semester - I & II.**								44

शास्त्री द्वितीय वर्ष

शास्त्री तृतीय वर्ष

की पुस्तकों की सूची महाविद्यालय परिसर से प्राप्त की जा सकती है।



साहित्याचार्य (प्रथम वर्ष)

प्रथम पत्र : पद्य तथा चम्पू
वासवदत्ता, सुबन्धु, सम्पूर्ण
हर्षचरित, बाण भट्ट, पंचम उच्छ्वास
नैषधीय चरित, श्रीहर्ष, 1,2 सर्ग
रामायण चम्पू, भोजराज, सम्पूर्ण

द्वितीय पत्र : नाटक एवं नाट्य शास्त्र
मुद्राराक्षस, विशाखदत्त
भरत : नाट्यशास्त्र 6,7 अभिनव भारती सहित
प्राकृत प्रकाश, वररूचि

तृतीय पत्र : काव्य शास्त्र
ध्वन्यालाक, आनन्दवर्धनाचार्य
प्रथम-द्वितीय उद्योत लोचन सहित
अलंकार सर्वस्व -रूय्यक

चतुर्थ पत्र : विशेष कवि का अध्ययन
वाल्मीकि या कालिदास

साहित्याचार्य (द्वितीय वर्ष)

पञ्चम पत्र : काव्य-शास्त्र
रसगंगाधर- पण्डितराज जगन्नाथ प्रथम आनन-सम्पूर्ण
ध्वन्यालोक- आनन्द वर्धन तृतीय तथा चतुर्थ उद्योत, लोचन सहित

षष्ठ पत्र : साहित्य समीक्षा
1) वक्रोक्ति जीवित-कुन्तक
2) औचित्यविचारचर्चा, क्षेमेन्द्र

सप्तम पत्र : काव्य – शास्त्र

1) निबन्ध, साहित्य शास्त्रीय
2) व्युत्पत्ति प्रदर्शन
3) पद्य रचना अथवा समस्या पूर्ति
4) काव्यमीमांसा, राजशेखर, अध्याय 1, 4, 5, 11, 18

अष्टम पत्र : काव्य – शास्त्र

1) संस्कृत काव्य शास्त्र का इतिहास
2) पाश्चात्य काव्य शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास

सहायक ग्रन्थ –

1) पाश्चात्य काव्य शास्त्र की परम्परा :
   सम्पादक डॉ. नगेन्द्र, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
2) संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास
   पीवी काणे, अनुवाद इन्द्रचन्द्र शास्त्री, मोतीलाल, बनारसीदास, दिल्ली।
3) संस्कृत काव्य का इतिहास
   भाग 1 – 3, डॉ. सुशील कुमार डे, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना – 3

महाविद्यालयीय उपाधियों की समकक्षता

1.	प्राक् शास्त्री	प्रमाण पत्र	10 + 2 के समान
	शास्त्री	डिग्री	बी.ए. कला
	(बी.ए. ऑनर्स विद् क्लासिक्स)		(बी.ए. ऑनर्स संस्कृत के समान)

छात्रावास समिति:

1.	प्राचार्य	अध्यक्ष
2.	छात्रावास प्रतिपालक	सदस्य
3.	वरिष्ठतम आचार्य	सदस्य
4.	अभिभावक एवं प्राध्यापक संघ प्रधान	सदस्य
5.	शिक्षाविद्	सदस्य
6.	गीता जयन्ती	गीता जयन्ती दिवस
7.		

आचार्य (स्नातकोत्तर डिग्री) एम.ए. संस्कृत के समान

2. शिक्षा मन्त्रालय भारत सरकार ने 1964 तथा हिमाचल सरकार ने 1967 में अधिसूचनाएं जारी करके शास्त्री को बी.ए. तथा आचार्य को एम.ए. संस्कृत के समकक्ष घोषित किया है। माननीय उच्च न्यायालय एवम् उच्चतम न्यायालय ने भी इस समकक्षता को अनुमोदित किया है।
3. हि.प्र. विश्वविद्यालय ने प्राक् शास्त्री – II की परीक्षा को बोर्ड की 10 + 2 के समकक्ष घोषित किया है तथा विश्वविद्यालयानुसार शास्त्री परीक्षा उत्तीर्ण छात्र सीधे एम.ए. संस्कृत में प्रवेश का अधिकारी है।
4. हि.प्र. विश्वविद्यालय ने शास्त्री के पश्चात् आचार्य उत्तीर्ण छात्र को सीधे एम.फिल./पी.एच.डी. में प्रवेश का अधिकारी माना है।

वार्षिक परीक्षा एवम् अनिवार्य गृह परीक्षा

1. प्राक् शास्त्री – I से प्राक् शास्त्री – II तथा आचार्य की सभी वार्षिक परीक्षाओं तथा म्दकनमउमेजमत म्गंउपदंजपवद का संचालन विश्वविद्यालय द्वारा ही होता है। वार्षिक परीक्षाओं हेतु परीक्षा फार्म फरवरी प्रथम सप्ताह में तथा समैस्टर परीक्षाओं के फार्म विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथियों में व्द सपदम सिस्टम से भरे जाते हैं।
2. प्रत्येक परीक्षा के फार्म भरने हेतु समैस्टर/वार्षिक प्रक्रिया में कक्षा में कुल उपस्थितियों का 75 प्रतिशत होना आवश्यक है। ऐसा न होने की स्थिति में उसका फार्म अन्तिम परीक्षा हेतु नहीं भेजा जा सकेगा।
3. वार्षिक प्रक्रिया में किसी भी कक्षा में कम्पार्टमेंट छात्र अक्तूबर मास में अनुपूरक (सप्लिमैंटरी) परीक्षा में बैठ सकता है। कम्पार्टमैन्ट के साथ अंग्रेजी आदि अतिरिक्त (अनुत्तीर्ण) विषयों की परीक्षा भी दी जा सकती है।
4. प्राक् शास्त्री – I तथा शास्त्री – I में नए प्रविष्ट छात्रों को विश्वविद्यालय में पञ्जीकरण (रजिस्ट्रेशन) करवाना आवश्यक है। इन सभी छात्रों के प्रवेश के समय मैट्रिक/10 + 2 संस्कृत सहित उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
5. किसी भी बाहरी बोर्ड/विश्वविद्यालय की परीक्षा उत्तीर्ण करके प्रवेश लेने वाले छात्र को उक्त विश्वविद्यालय/बोर्ड से माईग्रेशन प्रमाण पत्र लाकर देना आवश्यक है तभी हि.प्र. विश्वविद्यालय में उसका पञ्जीकरण होगा। पञ्जीकरण होने पर ही उसका प्रवेश स्थायी होगा।
6. महाविद्यालय में प्रविष्ट छात्र को समय-समय पर साप्ताहिक/ मासिक/आवश्यक गृह परीक्षाओं में भाग लेना आवश्यक है। उसी के आधार पर उसकी अन्तः मूल्यांकन (Assessment) भेजी जा सकेगी। जो वार्षिक परीक्षाओं में 20 अंक तथ समैस्टर प्रक्रिया में 30/50 अंक प्रति विषय होगी। इन परीक्षाओं में अनुपस्थित छात्र तथा एसेस्मैंट में अनुत्तीर्ण छात्र वार्षिक परीक्षा में बैठने के अधिकारी नहीं होंगे।
7. प्रत्येक कक्षा में सर्वाधिक उपस्थिति वाले छात्र को वार्षिकोत्सव में विशेष रूप से पुरस्कृत किया जाएगा।

केन्द्रीय छात्र परिषद्

महाविद्यालयीय केन्द्रीय छात्र परिषद् (CSA)"संस्कृत-संस्कृति छात्र कल्याण परिषद्"का गठन विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार सत्र के प्रारम्भ में निर्धारित तिथि को किया जाता है। छात्रों में नेतृत्व क्षमता को विकसित करने, कलात्मक प्रतिभा विकास, शारीरिक सौष्ठव, बौद्धिक-मानसिक-चारित्रिक विकास तथा छात्र-कल्याण के उन्नयन हेतु इस छात्र परिषद् का गठन किया जाता है। इसके तत्त्वावधान में पाक्षिक/मासिक छात्र संगोष्ठियाँ, वार्षिक क्रीड़ा तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जिनमें समस्त छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होती है। विश्वविद्यालय की अधिसूचना के पश्चात् ही चुनाव/सर्वसम्मति से केन्द्रीय छात्र परिषद (CSA) का गठन होगा।

प्राध्यापक अभिभावक संघ (PTA)

महाविद्यालयीय प्राध्यापकों तथा छात्रों के अभिभावकों (माता-पिता) के सामूहिक संगठन 'प्राध्यापक अभिभावक संघ' (PTA) का गठन प्रतिवर्ष छात्रों के प्रवेश के तुरन्त पश्चात् किया जाता है जो निरन्तर सहयोग के साथ-साथ महाविद्यालय में प्राध्यापकों की कमी को भी पूरा करता रहा है ताकि छात्रों की पढ़ाई बाधित न हो सके। प्रवेश के तत्काल पश्चात् इसका गठन करके महाविद्यालय/छात्र हित में इसके सहयोग की अपेक्षा रहेगी।

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा)

महाविद्यालय में भी अन्य संस्कृत तथा डिग्री महाविद्यालयों की तरह गत सत्र 2013-14 से 'राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान' (रूसा) समैस्टर प्रणाली की महत्वाकांक्षी योजना छात्र हित तथा शिक्षा के समुचित विकास की दृष्टि से हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग/विश्वविद्यालय द्वारा निर्देशित शास्त्री-I कक्षा से प्रारम्भ की गई है। प्राध्यापकों तथा व्यवस्थागत न्यूनताओं के रहते हुए भी छात्र हित में इसे कार्यान्वित किया जा रहा है तथा विभाग/विश्वविद्यालय द्वारा भी प्राध्यापकों तथा व्यवस्थाओं को सुनियोजित करने का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जा रहा है।

पाठ्येतर गतिविधियाँ, क्रीड़ा तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ

1. छात्रों में पारस्परिक सद्भाव के साथ-साथ प्रतिस्पर्धात्मक भावना को सुदृढ़ करने तथा विभिन्न कार्यक्रमों, सामाजिक, वैयक्तिक तथा चारित्रिक विकास की दृष्टि से समस्त छात्रवृन्द को पाणिनि, पतञ्जलि, कालिदास और व्यास सदनों में विभाजित करके विभिन्न क्रीड़ा तथा सांस्कृतिक गतिविधियों में सकारात्मक रूप

से जोड़ा जाता है। सदनानुसार क्रीड़ा प्रतियोगिताएँ अक्तूबर तथा भाषणादि सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ नवम्बर मास में आयोजित की जाएंगी।

2. विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तर महाविद्यालयीय क्रीड़ा तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ उनके द्वारा निर्दिष्ट तिथियों में आयोजित होंगी।
3. अन्य महाविद्यालयों/संस्कृत महाविद्यालयों/राज्यों में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में पात्र छात्रों को भाग ग्रहणार्थ प्रेषित किया जाता है।
4. क्रीड़ा गतिविधियों में वॉलीबॉल, कबड्डी, बैडमिन्टन, क्रिकेट, एथलैटिक्स आदि की समुचित व्यवस्था विद्यमान है। प्रतिभाशाली छात्रों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित क्रीड़ा तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में भाग लेने की व्यवस्था है।
5. सभी प्रथम/द्वितीय आने वाले छात्रों को वार्षिकोत्सव में पुरस्कृत किया जाता है।

महाविद्यालयीय अनुशासन तथा तत्सम्बन्धी नियम

1. महाविद्यालय में किसी भी कालांश (पीरियड) प्रार्थना सहित में लगातार 10 दिन अनुपस्थित रहने वाले छात्र का नाम महाविद्यालय से काट दिया जाएगा। विशेष परिस्थिति में पिता-माता की व्यक्तिगत उपस्थिति तथा 100/- पुनः प्रवेश शुल्क तथा दूसरी बार 200/-के साथ अतिरिक्त विशेष दण्ड के साथ ही पुनः प्रवेश मिल सकेगा।
2. महाविद्यालय/छात्रावास परिसर में मदिरा आदि मादक पदार्थों का सेवन या अपने पास रखना दण्डनीय अपराध होगा। ऐसे छात्र को तत्काल निष्कासित करके अग्रिम कार्यवाही हेतु उसके घर तथा पुलिस को सूचित कर दिया जाएगा।
3. किसी भी अन्य छात्र की रैगिंग करने/उसमें सहयोग करने/ उसमें शामिल होने या बाहरी छात्रों/व्यक्तियों को कॉलेज/छात्रावास में लाने तथा बाहर अथवा भीतर अनपेक्षित गतिविधियों में शामिल होने पर छात्र/छात्रा को तत्काल कॉलेज/छात्रावास से निष्कासित करके कानूनी कार्यवाही की जाएगी।
4. कक्षा तथा महाविद्यालय परिवेश में मोबाइल लाना/रखना/करना/सुनना अनुशासनहीनता माना जाएगा। मोबाइल जब्त होने पर अर्थदण्ड सहित कार्यवाही की जाएगी।
5. नाम कटने/अनपेक्षित गतिविधि/गृह-वार्षिक परीक्षाओं की रिपोर्ट माता-पिता को समयानुसार प्रेषित की जाएगी।

पुस्तकालय सम्बन्धी नियम

1. सत्र प्रारम्भ होते ही सभी कक्षाओं के छात्र पुस्तकालय में उपलब्धता के आधार पर पाठ्यक्रम सम्बन्धी पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं जिन्हें 15 दिन में वापिस या (Renew) करवाना आवश्यक होगा अन्यथा 5/- प्रतिदिन (प्रति पुस्तक) के आधार पर दण्ड लगेगा।
2. छात्र अध्ययन हेतु अन्य पुस्तकें भी ले सकता है जिन्हें समय पर वापिस करना आवश्यक होगा।

सन्दर्भ/दुर्लभ पुस्तकें पुस्तकालय में ही पढ़ी जा सकेंगी।

3. वार्षिक परीक्षा से पूर्व सभी पुस्तकें पुस्तकालय में जमा करवानी होंगी।
4. सत्र समाप्ति के एक वर्ष के भीतर पुस्तकालय रक्षाधन वापिस लिया जा सकेगा। तत्पश्चात् इसे लैप्स माना जाएगा तथा वापिस नहीं होगा।
5. पुस्तकों को स्वच्छ, सजिल्द रखना छात्र का दायित्व होगा। कटने/फटने/गन्दा करने की अवस्था में नई पुस्तक या पुस्तक का वर्तमान मूल्य दण्ड सहित देय होगा।

छात्रावास तथा तत्सम्बन्धी नियम

1. महाविद्यालय में 30 छात्रों की व्यवस्था है जिनमें मेधावी, दूर से आने वाले, निर्धन छात्रों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्वापर क्रम से स्थान दिया जाता है। जिनमें आवास के अतिरिक्त बिजली/पानी/सफाई आदि की व्यवस्था का व्यय निर्धारित शुल्क के रूप में प्रवेश के समय देय होगा। इसके लिए शिक्षा विभाग ने छात्रावास समिति का गठन किया है।
2. भोजन व्यवस्था छात्र/छात्राओं को अन्त:/बाह्य रूप में स्वयं करनी होगी।
3. छात्रावास परिषद् छात्रावासाध्यक्ष को सभी व्यवस्थाओं के सञ्चालन में सहयोग करेगी।
4. मादक/अभक्ष्य पदार्थों का सेवन तथा अपने पास रखना सर्वथा वर्जित होगा। दोषी छात्र को तत्काल निष्कासित/दण्डित किया जाएगा।
5. किसी भी बाह्य व्यक्ति महिला/पुरुष को कमरे में लाना/रखना वर्जित है। केवल माता-पिता छात्रावासाध्यक्ष की अनुमति से दिन में ही मिल सकते हैं।
6. किसी अन्त:/बाह्य छात्र/छात्रा की रैगिंग करने तथा अन्य अनैतिक आचरण में लिप्त/दोषी छात्र-छात्रा को तत्काल निष्कासित करके कानूनी कार्यवाही हेतु मामला प्रेषित किया जाएगा।
7. छात्रावास से बाहर जाने हेतु छात्रावासाध्यक्ष की अनुमति तथा पूरे दिन/दिनों के लिए लिखित अनुमति/अवकाश लेना आवश्यक होगा। बिना अनुमति के बाहर गया छात्र/छात्रा दण्डित अथवा निष्कासित की जा सकती है।
8. शरद् ऋतु में सायं 7 बजे के पश्चात् तथा ग्रीष्म ऋतु में 8 बजे के पश्चात् छात्रावास के बाहर जाना/रहना दण्डनीय अपराध माना जाएगा।
9. छात्रावासीय प्रार्थना सभा में सभी छात्र/छात्राओं की उपस्थिति अनिवार्य होगी। अनुपस्थित छात्र दण्डनीय होंगे तथा सर्वाधिक उपस्थिति वाले सर्वोत्तम अनुशासित छात्र/छात्रा को वार्षिकोत्सव में पुरस्कृत किया जाएगा।
10. छात्रावास में हर वर्ष नया प्रवेश दिया जाता है तथा सत्रान्त में वार्षिक परीक्षा के पश्चात् छात्रावास छोड़ना होगा।

पुरस्कार वितरण समारोह

महाविद्यालय का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह मार्च मास के तृतीय सप्ताह में आयोजित किया जाता है जिसमें निम्न छात्रों को पुरस्कृत किया जाता है: -

1. विश्वविद्यालय की मैरिट में स्थान पाने वाले छात्र ।
2. वार्षिक परीक्षा एवम् अनिवार्य गृह परीक्षा में प्रथम - द्वितीय आने वाले छात्र ।
3. महाविद्यालय की वार्षिक सदनानुसार वॉलीबॉल आदि क्रीड़ा तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय स्थान पाने वाले तथा सर्वोत्तम क्रीड़क का स्थान पाने वाले छात्र ।
4. विश्वविद्यालय द्वारा आयोजिय तथा अन्तर्राज्यीय क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में स्थान पाने वाले छात्र
5. प्रत्येक कक्षा/छात्रावास में सर्वाधिक उपस्थिति तथा सर्वोत्तम अनुशासित छात्र ।
6. महाविद्यालयीय पत्रिका, सामाजिक कार्य, स्वच्छता, रक्तदान, वन महोत्सव आदि कार्यों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले छात्र ।
7. विभिन्न महाविद्यालयीय कार्यों में सर्वोत्तम सहयोग/कार्य करने वाले छात्र ।
8. पुस्तकालय का अधिकतम उपयोग करने वाले छात्र ।
9. शास्त्री अन्तिम वर्ष के सर्वतोभावेन - सर्वोत्तम छात्र - छात्रा ।
10. वर्ष भर में सत्य निष्ठा, इमानदारी, समर्पण से छात्रहित/महाविद्यालय हित में काम करने वाले प्राध्यापक ।
11. सर्वोत्तम परिणाम देने वाले प्राध्यापक ।
12. विशिष्ट संस्कृत विद्वान तथा अतिथि ।

वर्षपर्यन्त विशेष कार्यक्रम

1.	सत्र शुभारम्भ महोत्सव -	जुलाई प्रथम सप्ताह
2.	संस्कृत सप्ताह -	श्रावणी पूर्णिमा के पूर्व तथा पश्चात
3.	हिन्दी पखवाड़ा -	1 सितम्बर 14 सितम्बर
4.	शास्त्री - I, शास्त्री - II, शास्त्री - III की अन्तिम परीक्षा (वि.वि. द्वारा घोषित डेटशीट के अनुसार)	
5.	सदनानुसार सांस्कृतिक, क्रीड़ा प्रतियोगिताएं	दिसम्बर या फरवरी
6.	गीता जयन्ती	गीता जयन्ती दिवस पर
7.	राष्ट्रीय सेवा योजना - स्थापना दिवस	24 सितम्बर

8.	अनिवार्य गृह परीक्षा	दिसम्बर तृतीय सप्ताह
9.	शैक्षणिक भ्रमण (शास्त्री - III वर्ष)	दिसम्बर चतुर्थ सप्ताह
10.	वार्षिक पारितोषिक वितरणोत्सव	मार्च तृतीय सप्ताह
11.	शास्त्री अन्तिम वर्ष (विदाई समारोह)	शैक्षणिक सत्र की समाप्ति पर

उक्त कार्यक्रमों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय, महाविद्यालय/अन्य राज्यों द्वारा आयोजित क्रीड़ा तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं उनकी निर्दिष्ट तिथि के अनुसार होंगी।

अन्य राष्ट्रीय/सामाजिक/सांस्कृतिक कार्यक्रम/सेमिनार/संगोष्ठियाँ/वन महोत्सव/रक्तदान शिविर आदि कार्यक्रम यथासमय आयोजित किए जाएंगे।

कक्षा प्रभारी तथा उनके कार्य

प्रवेश पत्र – निरीक्षण एवं संस्तुति / प्रवेश – त्याग पञ्जिका / परिचय पत्र / अनुशासन / छात्रवृत्ति / गृह परीक्षा / वार्षिक परीक्षा / अनुपस्थिति दण्ड / सामूहिक प्रार्थना / वेशभूषा आदि कार्य व्यवस्थाएँ: –

क्र० सं० कक्षा	प्राध्यापक	प्रभारी / सहप्रभारी
1. प्राक् शास्त्री – I	डॉ० देव कुमार नेगी	प्रभारी
2. प्राक् शास्त्री – II	डॉ० आशा शर्मा	प्रभारी
3. शास्त्री (प्रथम वर्ष)	डॉ० भानू शर्मा	प्रभारी
4. शास्त्री (द्वितीय वर्ष)	डॉ० विनय कुमार	प्रभारी
5. शास्त्री (तृतीय वर्ष)	डॉ० दिनेश शर्मा	प्रभारी
6. आचार्य (प्रथम वर्ष)	आचार्य सुरेश शर्मा	प्रभारी
7. आचार्य (द्वितीय वर्ष)	डॉ० पवन गौत्तम	प्रभारी

प्रवेश तिथि

प्राक शास्त्री – I	मई तृतीय सप्ताह से जून 30 पर्यन्त
प्राक शास्त्री – II	जून 14 से जून 30 पर्यन्त
शास्त्री प्रथम वर्ष	
शास्त्री द्वितीय वर्ष	
शास्त्री तृतीयसत्र	
प्रथम साहित्याचार्य प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष	1 जुलाई से 20 जुलाई पर्यन्त

महाविद्यालय व्यवस्थापन समितियाँ

1. **विश्व विद्यालय NAAC Accreditation/IQAC**
   1. डॉ० दिनेश शर्मा – समन्वयक
   2. डॉ० विनय शर्मा – सदस्य
   3. डॉ० भानु शर्मा – सदस्य
   4. आचार्य सुरेश भारद्वाज – सदस्य
2. **महिला उत्पीड़न (सैक्सुअल हरासमैन्ट) निरोधक,**
   1. डॉ० आशा शर्मा – प्रभारी
   2. श्रीमती विपना ठाकुर – सदस्य
3. **छात्र परिषद् चुनाव** (CSCA)
   1. डॉ० भानु शर्मा संयोजक
   2. डॉ० विनय शर्मा सदस्य
   3. डॉ० पवन कुमार शर्मा सदस्य
4. **पुस्तकालय समिति –**
   1. डॉ० भानु शर्मा – प्रभारी
   2. डॉ० विनय शर्मा – सहायक
5. **स्काउट एण्ड गाईड (रोवर रैंजर):**
   1. आचार्य सुरेश भारद्वाज – प्रभारी (रोवर)
   2. डॉ० आशा शर्मा – प्रभारी (रोवर)
6. **पर्यावरण व परिसर सौन्दर्यकरण (इको क्लब)**
   1. डॉ० विनय शर्मा – प्रभारी
   2. डॉ० भानु शर्मा – सह प्रभारी
   3. श्री पंकज सूद – सह प्रभारी
7. **रूसा सम्बन्धित कार्य –**
   1. डॉ० पवन कुमार – प्रभारी
   2. डॉ० भानु शर्मा – सह प्रभारी
   3. डॉ० देव कुमार नेगी – सह प्रभारी
8. **महाविद्यालय सलाहकार समितिः –**
   1. डॉ० दिनेश शर्मा – प्रभारी
   2. डॉ० विनय शर्मा – सह प्रभारी
   3. डॉ० भानू शर्मा – सह प्रभारी
   4. आचार्य सुरेश भारद्वाज – सह प्रभारी
9. **क्रीड़ा**
   1. डॉ० भानू शर्मा – प्रभारी
   2. डॉ० आशा शर्मा – सह प्रभारी
10. **महाविद्यालय बरसर** – डॉ. दिनेश शर्मा
    प्रैस सचिव – आचार्य सुरेश भारद्वाज
    स्टाफ सचिव – डॉ० विनय कुमार
11. **स्थानीय क्रयसमिति** (Local Purchase Committee)
    1. डॉ. विनय कुमार – प्रभारी
    2. डॉ. भानु शर्मा – सह प्रभारी
    3. डॉ. पवन कुमार – सह प्रभारी
    4. डॉ० आशा शर्मा – सह प्रभारी

राष्ट्रीय सेवा योजना

1. आचार्य सुरेश शर्मा – कार्यक्रम अधिकारी
2. डॉ० आशा शर्मा – सदस्य
3. डॉ० पवन गौतम – सदस्य

सड़क सुरक्षा क्लब

1. डॉ० दिनेश शर्मा – प्रभारी
2. डॉ० आशा शर्मा – सदस्य

भवन समिति

1. डॉ० दिनेश शर्मा – प्रभारी
2. डॉ० विनय कुमार शर्मा – सदस्य
3. डॉ० भानू शर्मा – सदस्य
4. आचार्य सुरेश शर्मा – सदस्य

अनुशासन समिति

1. डॉ० विनय शर्मा – संयोजक
2. डॉ० पवन गौतम – सदस्य
3. डॉ० भानु शर्मा – सदस्य

गृह परीक्षा समिति

1. आचार्य सुरेश शर्मा – प्रभारी
2. डॉ० आशा शर्मा – सह प्रभारी
3. डॉ० पवन गौतम – सदस्य

सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति

1. आचार्य सुरेश शर्मा – संयोजक
2. डॉ० आशा शर्मा – सहायक
3. डॉ० विनय शर्मा – सहायक

छात्रावास समिति

1. डॉ० विनय शर्मा – प्रभारी
2. डॉ० भानु शर्मा – सहयोगी
3. डॉ० पवन गौतम – सहयोगी

छात्र मार्गदर्शन समिति

1. डॉ० विनय शर्मा – प्रभारी
2. डॉ० आशा शर्मा – सदस्य
3. आचार्य सुरेश शर्मा – सदस्य

छात्रवृत्ति समिति

1. डॉ० पवन कुमार गौतम – प्रभारी
2. आचार्य सुरेश शर्मा – सदस्य
3. डॉ० आशा शर्मा – सदस्य

प्रेस, पत्रिका एवं परिचायिका समिति

1. आचार्य सुरेश शर्मा – संयोजक
2. डॉ० विनय शर्मा – सदस्य
3. डॉ० आशा शर्मा – सदस्य

बस पास समिति

1. डॉ० पवन गौतम – प्रभारी
2. डॉ० देव कुमार – सदस्य
3. आचार्य सुरेश शर्मा – सदस्य

परिसर विकास समिति

1. डॉ० विनय शर्मा – प्रभारी
2. आचार्य सुरेश शर्मा – सदस्य
3. डॉ०पवन कुमार – सदस्य

वार्षिक प्रतिवेदन समिति

1. डॉ० भानु शर्मा – संयोजक
2. डॉ० विनय शर्मा – सदस्य
3. डॉ० पवन कुमार – सदस्य

पुस्तकालय समिति

1. डॉ० भानु शर्मा – संयोजक
2. डॉ० विनय शर्मा – सदस्य
3. आचार्य सुरेश शर्मा – सदस्य

महिला शिकायत निवारण समिति

1. डॉ० आशा शर्मा – संयोजक
2. श्रीमती विपना – सदस्य
3. डॉ० पवन कुमार – सदस्य

रैगिंग विरोधी व नशा निवारण समिति

1. डॉ० विनय शर्मा – संयोजक
2. डॉ० आशा शर्मा – सदस्य
3. आचार्य सुरेश शर्मा – सदस्य

समय सारणी समिति

1. डॉ० भानु शर्मा – संयोजक
2. डॉ० आशा शर्मा – सदस्य
3. डॉ० पवन कुमार – सदस्य

युवा महोत्सव समिति

1. डॉ० भानु शर्मा – संयोजक
2. आचार्य सुरेश शर्मा – सदस्य
3. डॉ० आशा शर्मा – सदस्य

रैगिंग एक दण्डनीय अपराध

शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों द्वारा नए/पुराने छात्रों की रैगिंग को भारत सरकार/हिमाचल सरकार तथा माननीय उच्चत्तम न्यायालय द्वारा दण्डनीय अपराध घोषित किया गया है। जिसमें अपराधी को गैर जमानती अपराध का दोषी माना है। तदनुसार इस सस्कृत महाविद्यालय के परिसर, छात्रावास तथा मार्ग आदि में छात्रों द्वारा नए/पुराने छात्रों के साथ किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार/रैगिंग के लिए सख्त अनुशासनात्मक एवं कानूनी कार्यवाही की जाएगी। माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देश से रैगिंग करने वाला तथा वहाँ उपस्थित छात्र/छात्रा द्वारा अगर दोषी का नाम नहीं बताते हैं तो सारा समूह दोषी माना जाएगा और सारे समूह के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी। एतदर्थ महाविद्यालय में वरिष्ठ प्राध्यापकों की अनुशासन एवं रैगिंग निरोधक समिति का गठन किया गया है। पीड़ित छात्र तत्काल इस समिति को सूचित करेंगे। रैगिंग को U.G.C. Act A-56 (3 of 1950) के अनुसार दण्डनीय अपराध घोषित किया गया है।

अनुशासन एवं रैगिंग निरोधक समिति

1. डॉ० रमेश शर्मा - अध्यक्ष - 98176-61479
2. डॉ० दिनेश शर्मा - नोडल अधिकारी - 94181-75570
3. डॉ० विनय कुमार शर्मा - उपाध्यक्ष - 98170-73577

कार्यालय सम्पर्क सूत्र:01792.223550


राजकीय स्नातकोत्तर संस्कृत महाविद्यालयः सोलनम् (हि.प्र.)
शं नस्तारिणी

महाविद्यालयस्य गौरवगीतम्

भारतस्योत्तरे हिमवद्देशे बुधजनप्रियविश्रामः
देवभूमेरियं पावनवसुधा शूलिनीशुभस्थानम्
सुरभारतीभाषाशास्त्रपठनपाठनयोस्केन्द्रमुदात्तम
स्नातकोत्तरं संस्कृतसंस्थानं सोलनम् अतिख्यातम्

तारिणीप्रथितपद्मप्रथममतिपावनमतिशुभकारि
संस्थाया संस्थापको बघाटेश्वर संस्कृतपथचारी
वहति गंगा विज्ञानमयी यत्र प्रतिदिनमनवरतम्
स्नातकोत्तरं संस्कृतसंस्थानं सोलनम् अतिख्यातम्

गौरवशालीतिवृत्तोऽस्यास्ति शिक्षणसंस्थानेषु
यशोवन्त आचार्या सर्वे गणना येषां विबुधेषु
छात्रा सन्ति गुरुजनपदनिरताः विद्यावन्त सततम्
स्नातकोत्तरं संस्कृतसंस्थानं सोलनम् अतिख्यातम्

वैदिकमन्त्राणामत्र वाचनं छन्दसां संगायनम्
ज्योतिर्दर्शनपाठनमतिसरलं सूत्राणां पारायणम्
सकलाद्युनिकानां शास्त्राणामपि मिलति ज्ञानमनारतम्
स्नातकोत्तरं संस्कृतसंस्थानं सोलनम् अतिख्यातम्

संस्थाया संचालनमतिकुशलं विषयाणां संलापनम्
छात्राणामनुशासनमतिप्रियमाचार्याणामध्यापनम्
सुरभारतीसमुपासकसहृदयहृदयं कविजनविज्ञातम्
स्नातकोत्तरं संस्कृतसंस्थानं सोलनम् अतिख्यातम्

प्रणेता
आचार्यसुरेशशर्मभारद्वाजः
सहायकाचार्यः साहित्यविभागः

महाविद्यालय भवनम्



छात्र छात्रावास

